<u>कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 95वे स्थापना पर तीन दिवसीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन</u>

कृषि विज्ञान केंद्र, आई.वी.आर.आई इज़्ज़तनगर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के 95 वे स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक १६ जुलाई से १८ जुलाई २०२३ तक किसान गोष्ठी एवं कृषि प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी एवं तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर के उद्धघाटन समारोह पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी. पी. सिंह ने अपने संबोधन मे कृषको को बताया की भारतीय कृषि में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का अथक योगदान है। इसके द्वारा कृषको के लिए कई कृषि तकनीक विकसित की गई हैं, जिनकों अपनाकर किसान अपने खेतो की उत्पादकता और आय को बढ़ा सकते हैं। तीन दिवसीय कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने किसानों के खेत में प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण हेतु फसल विज्ञान, बागवानी विज्ञान, पशु विज्ञान, मत्स्य विज्ञान और गृह विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में श्री. रंजीत सिंह ने सब्जी और फलों की फसल से संबंधित विभिन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। श्री. आर.एल. सागर ने किसानों को मशीनीकरण के साथ-साथ अपशिष्ट डीकंपोजर के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकों के बारे में सलाह दी। श्रीमती वाणी यादव ने बताया कि किसान प्राकृतिक खेती की तकनीक अपनाकर कृषि लागत में कमी लाकर अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। कृषको को धान की खेती मे खरपतवार एवं उसके प्रबंधन, तना छेदक नियंत्रण के उपाय, सब्जी की हाइटेक (Hi-Tech) पौध शाला प्रबंधन, संरक्षित खेती, प्राकृतिक खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, स्वत्छ दुग्ध उत्पादन, संस्थान द्वारा पशु सुधार हेतु स्थापित जनन द्रव्य एवं एकीकृत कृषि प्रणाली की तकनिकियों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और कृषि और कृषि से संबन्धित विभिन्न विषयो पर उपलब्ध नवीनतम तकनीकयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम मे सुपर हाइब्रिड नैपियर, केले की प्रजाति (ग्रैंड नैने), वर्मी कमपोस्ट, सब्जियों के प्रो-ट्रे मे मिर्ची और बैंगन की पौध, प्राकृतिक खेती से प्राप्त कृषि उत्पाद आदि की प्रदर्शनी भी कृषको हेतु रखी गई। कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. बी.पी. सिंह ने किसानों को कृषि और कृषि से संबन्धित प्रौद्योगिकीयों पर नवीनतम जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों से परामर्श लेने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में कृषको ने माननीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, आदरणीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी. का संबोधन भी सुना। इस कार्यक्रम में कुल 62 किसानों और कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की।